परविहन लागत को कम करने के लयि जलमार्ग का उपयोग

प्रीलमि्स के लयि:

भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधकिरण

मेन्स के लयि:

परविहन लागत को कम करने हेतु जलमार्ग के उपयोग से संबंधति मुद्दे

चर्चा में क्यों?

हाल ही में नौवहन राज्य मंत्री ने राज्यसभा में परविहन लागत को कम करने हेतु जलमार्ग के उपयोग से संबंधति जानकारी दी है।

मुख्य बदिु:

- अंतर्देशीय जल परविहन का उपयोग कर परविहन की लागत में महत्त्वपूर्ण बचत की जा सकती है।
- RITES, 2014 रपिोर्ट के अनुसार, स्थल परविहन के साधनों पर लागत का अन्य परविहन के माध्यमों के साथ तुलनात्मक अध्ययन कयि गया था जसिका ववरिण नम्निलखिति है:

मार्ग	राजमार्ग	रेलवे	अंतर्देशीय जल परविहन
लागत (रुपए/टन-कमिी.)	2.50	1.36	1.06

- राष्ट्रीय जलमार्ग -1 (गंगा नदी), राष्ट्रीय जलमार्ग-2 (ब्रह्मपुत्र नदी) और राष्ट्रीय जलमार्ग-3 (कोट्टापुरम से कोल्लम तक वेस्ट कोस्ट नहर) का परचिालन कयि जा रहा है एवं इन जलमार्गों पर जहाज़ों का आवागमन जारी है।
- आंध्र प्रदेश में कृष्णा नदी के वजियवाड़ा-मुक्ताला खंड में फेयरवे वकिास कार्य (Fairway Development Works) (राष्ट्रीय जलमार्ग-4 का हस्सिा) पूरा हो चुका है।
- इब्राहमिपटनम, हरशि्चंद्रपुरम, मुक्ताला और मादीपाडू में फक्सि्ड टर्मनिल (Fixed Terminals) के लयि भूमअिधग्रिहण एवं चार पीपे के पुल का नरि्माण कयि गया है।

8 नए राष्ट्रीय जलमार्गों जनि पर नरि्माण गतविधियिाँ शुरू की गई हैं, ववरिण नम्निलखिति है:

राज्य और जलमार्ग	**कार्य की स्थति**
1. असम में बराक नदी (राष्ट्रीय जलमार्ग-16)	**सलिचर से भंगा तक राष्ट्रीय जलमार्ग -16 के चरण -1 के लयि 76.01 करोड़ रुपए की लागत से कार्य शुरू कयि गया है। इसमें बदरपुर और करीमगंज में टर्मनिलों का उन्नतीकरण एवं ड्रेजगि (dredging) का रखरखाव शामलि है।**
2. बहिार में गंडक नदी (राष्ट्रीय जलमार्ग-37)	**आवश्यक प्रारंभकि वकिास प्रक्रयिा पूरी कर ली गई है एवं आगे का वकिास कार्य मांग के अनुसार पूरा कयि जाएगा।**
गोवा में जलमार्ग 3.. राष्ट्रीय जलमार्ग-27-कंबरजुआ 4. राष्ट्रीय जलमार्ग-68-माण्डवी 5. राष्ट्रीय जलमार्ग-111-जुवारी	• गोवा में राष्ट्रीय जलमार्गों के वकिास हेतु गोवा सरकार और मोरमुगाओ पोर्ट ट्रस्ट (Mormugao Port Trust) के बीच एक त्रपिक्षीय एमओयू पर हस्ताक्षर कयि गए हैं। • गोवा में राष्ट्रीय जलमार्गों के वकिास हेतु लगभग 22.65 करोड़ रुपए का कार्य प्रारंभ कयि गया है। • माण्डवी नदी पर 11.33 करोड़ रुपए की लागत से 3 तैरती हुई सेतुओं का नरि्माण कयि गया है।
6. केरल में अलप्पुझा-कोट्टायम-	फेरी सेवाओं के लयि जलमार्ग पहले से ही चालू है। मई 2019 में वर्ष 2019-20 के दौरान नष्पिादति कार्यों के रख-

अथरिमपुझा नहर (राष्ट्रीय जलमार्ग-9)	रखाव के लयि 88 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई है। साथ ही रात्रि के समय नेवगिशन की सुवधिाएँ सुनश्चिति की गई हैं।
7. पश्चमि बंगाल में रूपनारायण नदी (राष्ट्रीय जलमार्ग-86)	24 करोड़ रुपए की अनुमानति लागत से जलमार्ग का कार्य शुरू कयिा गया तथा फ्लोटगि टर्मनिल की स्थापना हेतु भी कार्य शुरू कयिा गया है।
8. पश्चमि बंगाल में सुंदरबन जलमार्ग (राष्ट्रीय जलमार्ग-97)	19.10 करोड़ रुपए की अनुमानति लागत से जलमार्ग का नरि्माण शुरू हुआ है। हेमनगर में बुनयिादी ढाँचे को उन्नत कयिा गया।

जलमार्ग वकिास परयिोजना की वर्तीय स्थतिि:

- अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधकिरण (Inland Waterways Authority of India-IWAI), वशि्व बैंक की तकनीकी और वत्तिीय सहायता से गंगा के हल्दयिा-वाराणसी खंड पर नेवगिशन की क्षमता वृद्धि हेतु 5369.18 करोड़ रुपए की अनुमानति लागत से जल मार्ग वकिास परयिोजना (Jal Marg Vikas Project-JMVP) को कार्यान्वति कर रहा है।
- JMVP को वैधानकि मंजूरी मलिने के बाद तीन साल की समयावधि के दौरान इस परयिोजना के तहत लगभग 1800 करोड़ रुपए की लागत से कार्य आरंभ हुआ है इनमें वाराणसी और साहबिगंज में मल्टीमॉडल टर्मनिल और तलकर्षण के लयि तीन अनुबंध शामलि हैं।

भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधकिरण:

- अंतर्देशीय जलमार्गों के वकिास और वनियिमन हेतु भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधकिरण (IWAI) की स्थापना 27 अक्तूबर, 1986 को की गई।
- IWAI जहाज़रानी मंत्रालय (Ministry of Shipping) के अधीन एक सांवधिकि नकिाय है।
- यह जहाज़रानी मंत्रालय से प्राप्त अनुदान के माध्यम से राष्ट्रीय जलमार्गो पर अंतर्देशीय जल परविहन अवसंरचना के वकिास और अनुरक्षण का कार्य करता है।
- प्राधकिरण का मुख्यालय नोएडा (New Okhla Industrial Development Authority-NOIDA) में क्षेत्रीय कार्यालय पटना, कोलकाता, गुवाहाटी और कोची में तथा उप-कार्यालय प्रयागराज (पूर्व में इलाहाबाद), वाराणसी, भागलपुर, रक्का और कोल्लम में हैं।
- राष्ट्रीय जलमार्ग अधनियिम, 2016 के अनुसार, अभी तक 111 जलमार्गों को राष्ट्रीय जलमार्ग घोषति कयिा गया है।
- वर्ष 2018 में IWAI ने कार्गो मालकिों एवं लॉजस्टिकि्स संचालकों को जोड़ने हेतु समर्पति पोर्टल 'फोकल' (Forum of Cargo Owners and Logistics Operators-FOCAL) लॉन्च कयिा था जो जहाज़ों की उपलब्धता के बारे में रयिल टाइम डेटा उपलब्ध कराता है।

स्रोत: पीआईबी

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/use-of-waterways-for-reducing-cost-of-transportation